भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुक्तेश्वर द्वारा केंद्रीय विद्यालय, मुक्तेश्वर में रैबीज़ जागरूकता शिविर का आयोजन

मुक्तेश्वर, 07 अगस्त 2026: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (ICAR-IVRI), मुक्तेश्वर के प्रसार शिक्षा अनुभाग द्वारा केंद्रीय विद्यालय, मुक्तेश्वर में विद्यार्थियों के लिए रैबीज़ (Rabies) जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के संयुक्त निदेशक के मार्गदर्शन में डॉ. मनीष तोमर द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में रैबीज़ रोग, उसके संक्रमण, बचाव, रोकथाम तथा पालतू पशुओं के प्रति जिम्मेदार व्यवहार के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना था।

कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा जागरूकता शिविर से लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यार्थियों को रैबीज़ रोग की गंभीरता, इसके संक्रमण के स्रोत तथा समय पर उपचार एवं टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. सामीनाथन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, ने "रैबीज़ रोग, इसकी रोकथाम एवं बचाव" विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने रैबीज़ वायरस के संक्रमण, पशुओं में इसके लक्षण, संक्रमित पशु के काटने की स्थिति में अपनाई जाने वाली सावधानियों, तत्काल चिकित्सा उपचार तथा समय पर टीकाकरण के महत्व पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि वे स्वयं रैबीज़ वैक्सीन अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं तथा ICAR-IVRI रैबीज़ रोग की रोकथाम, निदान, नियंत्रण एवं वैक्सीन अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से मानव एवं पशु स्वास्थ्य की सुरक्षा में संस्थान की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

द्वितीय सत्र में डॉ. मनीष तोमर ने विद्यार्थियों के साथ संवादात्मक चर्चा करते हुए उनके पालतू पशुओं, विशेष रूप से कुत्तों एवं बिल्लियों से संबंधित अनुभवों और जिज्ञासाओं पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सरल एवं वैज्ञानिक ढंग से समाधान किया तथा पालतू पशुओं की उचित देखभाल, नियमित टीकाकरण, स्वच्छता एवं जिम्मेदार पालतू पशु प्रबंधन के महत्व पर बल दिया।

कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने रैबीज़ रोग, पालतू पशुओं के व्यवहार, टीकाकरण, पशुओं के काटने पर प्राथमिक उपचार तथा रोग की रोकथाम से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे। वैज्ञानिकों द्वारा सभी प्रश्नों का विस्तारपूर्वक समाधान किया गया, जिससे विद्यार्थियों में रैबीज़ के प्रति जागरूकता एवं वैज्ञानिक समझ विकसित हुई।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रसार शिक्षा अनुभाग की टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। संस्थान के निदेशक डॉ. राघवेंद्र भट्ट ने इस प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय स्तर पर आयोजित ऐसे अभियान विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं पशु कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।